राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 05 मई 2025

वर्ष 14, अंक 26, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पेंटर ने आम के पेड़ से लटककर दी जान, गाँव में दहशत का माहौल...03

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के आरईटी 2024-25 परीक्षा में गंभीर अनियमितताओं के आरोप...04

चीन पर भारी पड़ा ट्रंप का नया ट्रैड अटैक ! 77% एक्सपोर्ट तबाही की कगार पर

स्वतंत्र प्रभात

Washington: दुनिया के दो बड़े देशों अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार युद्ध ने खतरनाक मोड़ ले लिया है। डोनाल्ड ट्रंप के भारी टैरिफ (आयात शुल्क) ने चीन की अर्थव्यवस्था पर जबरदस्त असर डाला है। वहीं भारत ने भी अपने टैक्स सिस्टम को सख्त करते हुए नकली छूट व कटौतियों पर नकेल कसने का फैसला किया है। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (WTO) के मुताबिक, अगर अमेरिका ने डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ को 2025 तक जारी रखा, तो चीन से अमेरिका को होने वाला निर्यात 77त्न तक गिर सकता है। 2024 में अमेरिका ने चीन से लगभग 440 अरब डॉलर का माल आयात किया था, लेकिन 2025 में इसमें भारी गिरावट की आशंका जताई जा रही है।

चीन का 'निंगबो-झौशान पोट''दुनिया का सबसे व्यस्त बंदरगाह है, लेकिन झेजियांग प्रांत की करीब 90,000 निर्यातक कंपनियों पर इस ट्रेड वॉर का सीधा असर पड़ रहा है। अमेरिका अब चीन के लिए एक मुश्किल बाजार बन गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल से ही चीन पर भारी टैरिफ लगाए थे। उनका दावा है कि ये कदम अमेरिकी उद्योगों की रक्षा और चीन की 'अनुचित व्यापार नीतियों÷ को रोकने के लिए जरूरी हैं। दूसरी ओर, भारत सरकार ने प्रत्यक्ष कर (Direct Tax) वसूली बढ़ाने के लिए कमर कस ली है। CBDT (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे टॉप टैक्सपेयर्स की निगरानी करें और फर्जी टैक्स छूट की पहचान कर कार्रवाई करें। सरकार का 2025-26 के लिए 25.20 लाख करोड़ का डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन लक्ष्य है।

CBDT के आंकड़ों पर नज़र

कॉरपोरेट टैक्स लक्ष्य- 10.82 लाख करोड़, नॉन-कॉरपोरेट टैक्स (व्यक्तिगत कर)- 13.60 लाख करोड़, सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT)- 78,000 करोड़

क्या होगी कार्रवाई?

नकली डिडक्शन/छूट का पता लगाया जाएगा, टॉप एडवांस टैक्सपेयर्स की समीक्षा की जाएगी, टैक्स चोरी करने वालों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे CBDT की यह योजना सेंट्रल एक्शन प्लान 2025-26 के अंतर्गत लागू की जा रही है।बता दें कि जहां एक तरफ ट्रंप की नीतियों ने चीन के व्यापार को हिला दिया है, वहीं भारत भी अपने करदाताओं पर पैनी नजर रखकर राजस्व जुटाने में जुट गया है। दोनों देशों की यह आर्थिक रणनीति आने वाले महीनों में वैश्विक व्यापार पर बड़ा असर डाल सकती है।

रामबन हादसा- सैनिकों की शहादत पर खरगे और राहुल गांधी ने जताया दुख

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के रामबाण में वाहन दुर्घटना में सैनिकों की शहादत पर शोक व्यक्त किया है और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री खरगे ने कहा, 'जम्मू- कश्मीर के रामबन में हुई भयानक त्रासदी के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ, जहाँ एक वाहन दुर्घटना के कारण भारतीय सेना के तीन जवान शहीद हो गए। हम राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं। हमारे बहादुरों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएँ। यह देखते हुए कि इस वर्ष मार्च में इसी घाटी में नागरिकों से जुड़ी एक ऐसी ही घातक घटना हुई थी, हम अधिकारियों से भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तुरंत उचित और पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने का आग्रह करते हैं।' श्री गांधी ने कहा, 'जम्मू- कश्मीर के रामबन में सेना की वैन के दुर्घटनाग्रस्त होने से हमारे कई जवानों की शहादत का समाचार बेहद दुखद है।शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं।'

भारत को कभी भी शांति से नहीं रहने देगा...पाकिस्तान पर फिर भड़के ओवैसी, बताया- विफल राष्ट्र

● AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'मोदी सरकार ने पाकिस्तान के जहाजों और विमानों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाकर सही किया है, लेकिन पड़ोसी देशों को एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल करने जैसे सख्त कदम उठाने पर भी विचार किया जाना चाहिए.'

स्वतंत्र प्रभात

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को पाकिस्तान पर एक बार फिर जोरदार हमला बोला है. उन्होंने पाकिस्तान को एक 'विफल राष्ट्र' करार दिया, जो भारत को कभी भी शांति से नहीं रहने देगा. ओवैसी ने केंद्र सरकार की पाकिस्तान के साथ आयात-निर्यात का समर्थन करते हुए आतंकवाद को प्रायोजित देश को एफएटीएफ की 'ग्रे' लिस्ट में डालने की मांग की है।

ओवैसी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, 'भारत पाकिस्तान से कहीं ज्यादा ताकतवर है और हमेशा रहेगा. जो कि एक विफल राष्ट्र है. पाकिस्तान न तो अपने विभिन्न जातीय समूहों के बीच शांति सुनिश्चित कर पाया है और न ही उसके ईरान और अफगानिस्तान जैसे अन्य पड़ोसी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध हैं.' ओवैसी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर भी हमला किया है

पाक को 'ग्रे' लिस्ट में डाला जाना चाहिए- ओवैसी

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने केंद्र सरकार से पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर पड़ोसी देश के खिलाफ कड़े कदमों पर विचार करने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा है कि आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) की संदिग्ध (ग्रे) सूची में डालना जाना चाहिए. वहीं, उन्होंने भारत सरकार के पहलगाम आतंकी हमले के बाद अपनाए गए कड़े रुख का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, 'मोदी सरकार ने पाकिस्तान के जहाजों और विमानों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाकर सही किया है, लेकिन पड़ोसी देशों को एफएटीएफ की संदिग्ध सूची में शामिल करने जैसे सख्त कदम उठाने पर भी विचार किया जाना चाहिए.' एआईएमआईएम सुप्रीमो ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की उनकी हालिया भारत विरोधी बयानबाजी को लेकर आलोचना भी की।

मुनीर की आलोचना, बांग्लादेश को चेताया

ओवैसी ने कहा, 'उन्हें (मुनीर को) याद रखना चाहिए कि भारत में रहने वाले मुसलमानों ने 1947 में जिन्ना को खारिज कर दिया था और यहीं रहने का विकल्प चुना था. उनके (भारतीय मुसलमानों के) वंशज किसी भी सूरत में इस भूमि को नहीं छोड़ेंगे.'उन्होंने बांग्लादेश के एक पूर्व सैन्य अधिकारी की 'पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करने' वाली टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई. ओवैसी ने कहा, 'आपको याद रखना चाहिए कि एक स्वतंत्र देश के रूप में आपका अस्तित्व भारत की देन है।

औवैसी ने सरकार से की ये मांग

ओवैसी ने मांग की कि भारत को पाकिस्तान के विमानों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और उसे FATF की ब्लैक लिस्ट में डाल देना चाहिए. उन्होंने आगे कहा, "इस तरह के हमले के बाद अगर हिंदू और मुस्लिम कर रहे हो तो तुम एहमक हो.. ऐसा करने से पाकिस्तान की सेना और आईएसआई के चेहरे पर मुस्कान होगी. जिसको ये बकवास करना है, उसको कुछ दिन चुप बैठ जाना चाहिए, जिससे उनको पहले करारा जबाव दे दिया जाए, फिर ये फिजूल की बात कर लेना।"

ओवैसी ने सरकार से बालाकोट और सर्जिकल स्ट्राइक की तर्ज पर जवाब देने की मांग की. उन्होंने कहा कि "हम चुप नहीं बैठेंगे अगर हमारे लोग, चाहे वे उत्तर प्रदेश या बिहार से हों, कश्मीर में मारे जाएं।

Patna Bomb Blast: जोरदार बम धमाके से दहला पटना का ये इलाका , दहशत में लोग...जांच में जुटी पुलिस

बिहार की राजधानी पटना से एक सनसनीखेज वारदात की खबर निकलकर सामने आ रही है। दरअसल यहां एक जोरदार बम विस्फोट हुआ है। वहीं इस बम धमाके में एक बच्ची घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र के बाकरगंज के कमरू पासी गली की है। बताया जा रहा है कि शनिवार देर रात दो गुटों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। वहीं मामला इतना गरमा गया कि एक पक्ष ने बम फेंक दिया जिससे जोरदार धमाका हुआ। जिससे एक बच्ची घायल हो गई। आनन-फानन में बच्ची को अस्पताल ले जाया गया जहां बच्ची का उपचार किया गया। बच्ची की हालत ठीक बताई जा रही है। इधर घटना की सूचना मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की तुरंत जांच शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रहे है। ताकि घटना में संलिप्त लोगों की पहचान कर गिरफ्तार किया जा सके। वहीं इस घटना ने पूरे इलाके को लोगों को दहला दिया है।

संक्षिप्त ख़बरें

आतंकी हमले में शहीद शुभम द्विवेदी की अस्थि कलश संगम में प्रवाहित

कांग्रेस के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि।

प्रयागराज। पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी के परिजन उनका अस्थि कलश लेकर आज संगम में प्रवाहित करने पहुंचे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव राजेश तिवारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय तिवारी जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद फूजैल हाशमी मुकुंद तिवारी आदि लोगों ने श्रद्धा सुमन अस्थि कलश पर अर्पित करके द्विवेदी को श्रद्धांजलि दिया तथा उनकी पत्नी और परिवार से मिलकर हार्दिक संवेदना व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि इस दुःखद घड़ी में पूरा देश शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ा है। आतंकियों के खिलाफ़ सख्त और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। शुभम की फोटो लेकर उनकी पत्नी स्वयं चल रही थी।

प्रयागराज में रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत

शनिवार की सुबह लखनऊ नेशनल हाईवे।

प्रयागराज। रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के सम्हई गांव की है। शनिवार की सुबह लखनऊ नेशनल हाईवे पर एक रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मंसूराबाद चौकी की पुलिस ने लहुलुहान दोनों युवको को सड़क से हटाया। जिसमें एक ने दम तोड़ दिया था। जबकि गंभीर रूप से घायल को 108 एंबुलेंस से सीएचसी कौड़िहार भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने सड़क दुर्घटना घायल दूसरे युवक को भी मृत घोषित कर दिया।

जालसाजों ने रिटायर्ड आरटीआई अधिकारी की चार बीघे जमीन कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बेच डाली

● .... मोहनलालगंज तहसील में फर्जीवाड़ा जारी।

...तहसील समाधान दिवस में बुजुर्ग किसान का फूटा दर्द।

.. जालसाजों ने बुजुर्ग की जगह फर्जी किसान खड़ा कर साढ़े तीन करोड़ की जमीन की बीस लाख में रजिस्ट्री कराई।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र में सक्रिय जालसाजों ने फर्जीवाड़े की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। आईटीआई विभाग के रिटायर्ड अधिकारी चंद्र किशोर गुप्ता की करीब चार बीघे जमीन जालसाजों ने महज बीस लाख रुपये में बेच डाली, जबकि जमीन की बाजारू कीमत करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है।यह मामला उस समय सामने आया जब पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी चंद्र किशोर गुप्ता को इस गड़बड़ी की जानकारी मिली। पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी ने मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर अधिकारियों को आपबीती सुनाई और लिखित शिकायत दर्ज कराई।पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी का आरोप है कि पुरहिया गांव स्थित उनकी चार बीघे जमीन को फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़प लिया गया। गाटा संख्या 118/0.623 हैक्टेयर व गाटा संख्या 189/0.013 हैक्टेयर व गाटा संख्या 212/0.849 हेक्टेयर गाटा संख्या 215/0.341हेक्टेयर कुल चार किता रकबा 1.826हेक्टेयर का 1/2 भाग 0.913हेक्टेयर की इस जमीन पर एक फर्जी किसान को खड़ा कर जावित्री हॉस्पिटल के मालिक ईशा त्यागी के नाम रजिस्ट्री कराई गई। रजिस्ट्री के लिए प्रस्तुत किया गया व्यक्ति न तो वास्तविक भूस्वामी था और न ही उसका जमीन से कोई वास्ता।पीड़ित के अनुसार, इस जमीन की वर्तमान कीमत लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपये है, जबकि यह सौदा मात्र बीस लाख रुपये में दर्शाया गया, जिससे स्पष्ट है कि यह सुनियोजित फर्जीवाड़ा है।शिकायत मिलने के बाद तहसील समाधान दिवस में मौजूद प्रभारी अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस विभाग को जांच कर मुकदमा दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।इस घटना ने एक बार फिर से भूमि संबंधी दस्तावेजों की सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते इस फर्जीवाड़े का खुलासा नहीं हुआ होता तो पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी अपने जीवनभर की पूंजी से हाथ धो बैठते है।

नगराम थाने की पुलिस हुई निरंकुश परिजनों ने पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

● पीड़ित पक्ष को न्याय के लिए दर दर पड़ रहा है भटकना

.. ट्रैक्टर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक की पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर पुलिस कार्यवाही से नाराज परिजनों ने की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र की पुलिस पर बहुत ही बड़ा लापरवाही का आरोप लगा है पुलिस जिस पर आम आदमी को न्याय का भरोसा रहता है अगर वही पुलिस निरंकुश हो जाए तो न्याय करना बेमानी है। ताज़ा मामला लखनऊ कमिश्नरेट की नगराम पुलिस का है जहां पीड़ित को दर दर न्याय के लिए भटकना पड़ रहा है लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और शिकायती पत्र को दरकिनार करते हुए विपक्षी लोगों को बचाने की कोशिश में जुटी हुई हैं और पीड़ित पक्ष मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करते हुए न्याय की आस में टकटकी लगाए बैठा है।

क्या है पूरा मामला- नगराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आरा मशीन के निकट दो सप्ताह पर्व हुए

रामपुर में दूल्हे और बारातियों को खेतों में दौड़ा-दौड़कर पीटा

स्वतंत्र प्रभात

रामपुर जिले में दुल्हन की विदाई से पहले दूल्हा पक्ष ने स्कॉर्पियो गाड़ी और प्लॉट की मांग कर दी. अचानक दहेज की मांग से गुस्साए दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे और बारातियों की जमकर पीट दिया. हंगामा इतना बढ़ गया कि मौके पर पुलिस टीम को पहुंचना पड़ा. पुलिस अधीक्षक भी पहुंचे और तहरीर के आधार जांच, कार्रवाई का भरोसा दिया. इधर, दूल्हा बिना दुल्हन की विदाई कराए मौके से फरार हो गया. घरातियों द्वारा बारातियों और दूल्हे की पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें दिखाई दे रहा है कि घराती, बारातियों को खेतों में दौड़ा-दौड़ाकर पीट रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, रामपुर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के निगहत मैरिज हॉल में रविवार (27 अप्रैल) को मोहम्मद हफीज की दो बेटियों की एक ही दिन में शादी होनी थी. पहली बारात सुबह आई. खान-पान से साथ ही बारातियों की खातिरदारी हुई. पहले से तय दान दहेज के साथ दुल्हन विदा भी हो गई. यह शादी अच्छे से बीत गई और परिजन दूसरी बारात के स्वागत की तैयारी करने लगे।

इसके बाद दूसरी बेटी की बारात शहजाद नगर थाना क्षेत्र के नया गांव से आई। लेकिन निकाह से पहले ही दूल्हा पक्ष ने दहेज में स्कॉर्पियो गाड़ी और प्लॉट की मांग कर दी। हाथों में मेहंदी रचाकर सजी-संवरी बेटी के पिता ने दूल्हा पक्ष से लाख मिन्नतें कीं। उन्होंने कहा कि अपनी हैसियत से ज्यादा दहेज की व्यवस्था की है. यहां तक कहा कि लड़के के लिए नई मोटर साइकिल की भी व्यवस्था की है. इसके बावजूद लड़के वालों का दिल नहीं पसीजा. वह स्कॉर्पियो और प्लॉट की मांग पर अड़े ही रहे।

शादी से इंकार करने पर फूटा गुस्सा- दहेज की लालच में परिजनों के साथ ही दूल्हे ने शादी से साफ इंकार कर दिया. तब शादी समारोह में पहुंचे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. गुस्साए लड़की पक्ष की भीड़ ने दूल्हा और बारातियों की पिटाई शुरू कर दी. ऐसी पिटाई हुई कि दूल्हा और बाराती बिना दुल्हन विदा कराए ही भाग खड़े हुए. इस घटना के बाद पीड़ित युवती और उसके पिता इंसाफ की मांग कर रहे हैं. उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई लेकिन जब सुनवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा दी।

यह मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा और पुलिस ने दहेज लोभियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इधर, मेंहदी लगे हाथों से दुल्हन बनने वाली उमरा अब इंसाफ की मांग कर रही है. उमरा ने कहा कि हमें नहीं पता था कि वह लोग इतने लालची निकलेंगे. यह तो हमें यहां आकर पता चला. हम पूरी तैयारी के साथ आए थे. हमने सारी रस्में कीं. मेहंदी, माइयो सब की थी. अब मैं बस इंसाफ चाहती हूं. अपने पापा को और जलील होता हुआ नहीं देखना चाहती।

संभल के सीओ अनुज चौधरी का हुआ तबादला, 'होली और जुमे' वाले बयान को लेकर आए थे सुर्खियों में

स्वतंत्र प्रभात

संभल सर्किल के प्रभारी सीओ अनुज चौधरी का स्थानांतरण कर उन्हें चंदौसी सर्किल की कमान सौंपी गई। वर्तमान में सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत आईपीएस अधिकारी आलोक भाटी को संभल सर्किल का नया सीओ बनाया गया है।उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पुलिस प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने तीन सर्किलों में क्षेत्राधिकारी (सीओ) स्तर पर तबादले करते हुए नए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा, आलोक सिद्धू को बहजोई सर्किल का नया प्रभारी बनाया गया है। सर्किल के पूर्व सीओ डॉ. प्रदीप कुमार अब सीओ ट्रैफिक की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं वर्तमान यातायात सीओ संतोष कुमार सिंह को यूपी डायल 112 की कमान सौंपी गई है। पुलिस विभाग के इन फेरबदल का उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत, दक्ष और जवाबदेह बनाना है।

होली से पहले सीओ अनुज चौधरी ने रंगों से असहज महसूस करने वालों को होली के दिन घर से बाहर न निकलने की नसीहत दी थी। सीओ चौधरी ने कहा था कि इस बार होली शुक्रवार को पड़ रही है और इसी दिन जुमे की नमाज भी होती है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो साल में एक बार आता है, जबकि शुक्रवार की नमाज साल में 52 बार होती है। होली के रंगों से अगर किसी को असहजता है, तो उन्हें घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस बयान के बाद वह काफी चर्चा में रहे थे। सीओ चौधरी के इस बयान को लेकर विपक्षी दलों ने उन्हें निशाने पर लेते हुए प्रदेश की योगी सरकार को भी घेरा था। इस विवादित बयान को लेकर उन्हें जांच का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्हें क्लीनचीट मिल गई थी। हालांकि बाद में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की शिकायत पर फाइल फिर से खुल गई।

राजरानी का आरोप...साहब! ख्यात म खड़ी फसल काटि डारिन दबंग,नाई हुई रही सुनवाई

लखनऊ। सीएम योगी का अवैध कब्जों को लेकर सख्त आदेश हैं। लेकिन इसके बावजूद भी भू माफियों के हौसले इतने बुलंद है की भूमाफिया जमीनों को ताल ठोक कर अपना निवाला बना रहे हैं। उन्हें योगी सरकार का बिलकुल भी भय नहीं है। ऐसा एक मामला माल थाने से सामने आया है। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत थरी के टिकना खेड़ा गांव निवासी अनुसूचित जाति के अन्नदाता गोकुल की पत्नी राजरानी ने आरोप लगाते हुए बताया कि बसनाखेड़ा साहू लैंड मार्क के बगल में राजस्व द्वारा उसकी आवंटित भूमि पर खड़ी गेहूं की फसल को बसनाखेड़ा निवासी जमील व छोटी काट रहे थे।पीड़िता ने आरोप लगाया कि फसल काटने का विरोध किया तो इमरान, गुफरान, जिब्रान, व छोटी ने जाति सूचक गाली देते हुए लात- घूसों व डंडों से मारा पीटा।जिसकी सूचना पीड़िता ने डायल -112 को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने थाने पर शिकायती पत्र देने की बात कही। पीड़िता ने थाने पर पहुंच कर लिखित शिकायती पत्र दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिन्दू लड़कियों से योजनाबद्ध दुष्कर्म का मजहबी षडयंत्र क्यों?

कभी अजमेर फिर जयपुर और अब भोपाल में एक दो नहीं दर्जनों हिन्दू लड़कियों को अपने जाल में फंसा कर उनकी आपत्तिजनक विडियो बना कर ब्लेकमेल कर यौन शोषण करने के मामलों का खुलासा हुआ है। यह बेहद चिंता जनक तो है ही साथ ही बताता है कि देश भर में एक समुदाय विशेष के युवक ब्यूटी पार्लर इंटरनेट सर्फर मोबाइल शाप डांस और एक्टिंग प्रशिक्षण सैंटर की आड़ में हिन्दू लड़कियों को फंसा कर ब्लेक मेल कर उनके जरिए एक के बाद एक मासूम लड़कियों की चैन बना कर दुष्कर्म करते हैं इतना ही नहीं इनके जाल में फंसने के बाद अश्लील वीडियो फोटो डिलीट करने के नाम पर पैसा वसूलने और दूसरे लड़कों को अस्मत से खिलवाड़ करने का घिनौना खेल चल रहा है।

मध्य प्रदेश की राजधानी राजधानी में कॉलेज की छात्राओं के साथ शोषण और ब्लैकमेलिंग का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। पुलिस ने अब तक छह से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। कई आरोपी अभी भी फरार हैं। इस मामले के तार भोपाल से शुरू होकर मध्य प्रदेश के पन्ना, बैतूल, इंदौर, कोलकाता और बिहार तक फैले मिले हैं।भोपाल में हिंदू लड़कियों से रेप के मामले में पुलिस ने कई आरोपियों की पहचान कर ली है, जिसमें दो आरोपी फरहान और साहिल को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है. वहीं तीन अबरार, अली और साद की पुलिस तलाश कर रही है. अली और साद पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं. मामले की जांच के लिए पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है. एक लड़की से मारपीट के दौरान यह मामला सामने आयाजानकारी के मुताबिक एक हिंदू लड़की को सबसे पहले फंसाया, अश्लील वीडियो बनाकर उससे अपनी सहेलियों को लाने के लिए कहा गया. इस दरिंदगी की शुरुआत भोपाल के एक कॉलेज से हुई. जहां पर साथ पढ़ने वाले मुस्लिम छात्र ने एक हिंदू लड़की को अपने जाल में फंसाया. इसे लव जिहाद का मामला माना जा रहा है.

इस वीडियो के आधार पर उस लड़की पर दबाव बनाया गया कि वो अपनी अन्य सहेलियों को भी लेकर आए. एक होटल में इन लड़कियों को बुलाया गया. उनके साथ ज़बरदस्ती की गई. रेप कर उनका भी वीडियो बनाया गया. 6 आरोपियों ने मिलकर 5 लड़कियों का शारीरिक शोषण किया. जांच में सामने आया है कि गांजा पिलाकर इन लड़कियों का शोषण किया गया.बताया जा रहा है कि अपने चंगुल में फंसाने के बाद इन हिंदू लड़कियों को आरोपियों द्वारा इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया गया. उनसे कहा गया कि बुर्का पहनकर तस्वीर भेजो, लड़कियों ने बुर्का पहनकर तस्वीरें भेजी भीं. उन्हें रोज़ा रखने के लिए भी बाध्य किया गया।एक पीड़िता का आरोप है जब उसने अपनी छोटी बहन को इंदौर भेजा, ताकि वह इस गिरोह से बच सके, तब भी आरोपी फरहान वहां पहुंच गया। उसने उसे भी अपने जाल में फंसा लिया। पुलिस को एक वीडियो मिला है जिसमें फरहान एक साथ तीन कॉलेज छात्राओं के साथ गलत काम करता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वह एक युवती को सिगरेट से जलाता हुआ पाया गया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी छात्राएं हिंदू हैं। आपको बता दें कि मध्यप्रदेश के भोपाल में लव जिहाद और गैंगरेप का ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर हर किसी की रूह कांप गई. 6 मुस्लिम युवकों का एक गैंग, जिसक काम था हिंदू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाना. उनका ब्रेन वॉश करना और फिर रेप करना. उसके बाद अपने साथियों से गैंगरेप करवाना है और अब यह गिरोह हिन्दू लड़कियों के यौन शोषण की विडियो पोर्न साइट पर बेचने के लिए कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार, फरहान ने कॉलेज में हमउम्र मुस्लिम युवकों का एक गिरोह बनाया था, जो केवल हिंदू लड़कियों को ही निशाना बनाते थे. गिरोह का सख्त नियम था कि कोई भी मुस्लिम लड़की से प्रेम संबंध नहीं बनाएगा. फरहान ने पुलिस पूछताछ में दावा किया कि हिंदू लड़कियों के साथ दुष्कर्म करना 'सवाब का काम 'है और उसका लक्ष्य अधिक से अधिक हिंदू लड़कियों को अपना शिकार बनाना था. इस बयान ने न केवल पुलिस को स्तब्ध कर दिया है। इस गैंग का सरगना फरहान एमबीए पास है फरहान खान हिंदू लड़कियों को सबसे पहले अपने प्रेम जाल में फंसाता था और फिर रेप करता था. उस रेप की वीडियो रिकॉर्डिंग करवाता और बाद में वो वीडियो दिखाकर पीड़ित लड़कियों को ब्लैकमेल करता था. इसी तरह का उसने अपना एक गैंग तैयार कर साथियों से भी ये काम करवाना शुरू किया और उनके अश्लील वीडियो मंगवाता रहा. फिर उन पीड़िताओं को साथियों की मदद से अपने पास बुलवाता और वीडिया दिखाकर रेप करता था लेकिन भोपाल पुलिस ने फरहान को दबोच लिया है। साहिल खान, फरहान के गैंग की मुख्य कड़ी है. मूल रूप से पन्ना का रहने वाला था लेकिन अशोक गार्डन इलाके में रहकर डांस क्लास चलाता था. जिसमें करीब 30 हिंदू लड़कियां आती थी. यही साहिल का टारगेट था. झूठे प्रेम जाल में फंसाकर उनका रेप करना. बाद में वही वीडियो दिखाकर उन्हें ब्लैकमेल करना।पुलिस सूत्रों के मुताबिक साहिल पिछले करीब दो साल से डांस क्लास संचालित कर रहा था। वहां आने वाली युवतियों को वह रुपयों का लालच देकर या फिर ब्लैकमेल कर देह व्यापार के धकेलता था। वह शहर के आसपास फार्म हाउस में होने वाली पार्टियों में भी इन युवतियों को भेजता था।

तीसरा आरोपी अली पर आरोप है कि उसने एक छात्रा को लव जिहाद के मायाजाल में फंसाकर रेप किया और बाद में उसका अश्लील वीडियो फरहान को भेजा. फिर वीडियो के आधार पर ब्लैकमेलिंग का दौर शुरू हुआ और छात्रा को फरहान के साथ भी अवैध संबंध बनाने को मजबूर किया गया चौथा आरोपी साद मैकेनिक था और फरहान का जिगरी यार था. वो लड़कियों को लाने-ले जाने का काम करता था. साद पर आरोप है कि वो लड़कियों को गांजे का नशा करवाता था. इसके बदले उसे पैसे मिलते थे. पांचवा आरोपी नबील वैसे तो बिहार का रहने वाला था लेकिन पढ़ाई के लिए भोपाल आया था. इसका काम था गैंग की शिकार लड़कियों के अश्लील वीडियो पोर्न साइट्स पर बेचने के तरीके फरहान को बताना. अबरार अभी भी पुलिस की गिरफ्त से फरार है. छठा आरोपी अबरार पर एक लड़की का रेप कर उसका वीडियो मुख्य आरोपी फरहान को भेजने का आरोप है. बताया जा रहा है कि अबरार कोलकाता का रहने वाला है. अबरार भी अश्लील वीडियो पोर्न साइट्स पर बेचने के तरीके फरहान को बता रहा था.

भोपाल में 1992 के अजमेर जैसे कांड को अंजाम देने वाले मुस्लिम युवक जिहादी मानसिकता से हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म कर रहे थे। वे इसे इस्लामिक कट्टरता के नजरिए से 'सबाब 'यानी पुण्य का काम मानते थे। चौंकाने वाला यह रहस्योद्घाटन खुद मुस्लिम युवकों के इस संगठित गिरोह के सरगना माने जा रहे फरहान खान ने पुलिस की पूछताछ में किया है। पुलिस के अनुसार, फरहान ने कहा है कि मैंने हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म करके सबाब का काम किया है। उसके और उसके गिरोह के साथियों का लक्ष्य अधिक से अधिक हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म कर उनका जीवन बर्बाद करना था। ये युवक जहां मौका लगता, वहां हिंदू लड़कियों को प्रेम के झांसे में फंसाते। इसके लिए हिंदू नाम का इस्तेमाल करते और हाथ में कलावा भी बांध लिया करते थे।

सवाल यह है कि आखिर कब तक जेहादी मानसिकता के लोग हिन्दू लड़कियों को अपने तय अजेंडा के तहत ब्लेक मेल कर दुष्कर्म का शिकार बनाते रहेंगे? जरूरत है कि तमाम स्कूल कालिजो में लडकियों को जागरूक करने के लिए अनिवार्य क्लास तय की जाए जिसमें नैतिक ज्ञान के साथ स्वयं के बचाव की कार्यशाला आयोजित की जाएं साथ ही इस तरह के जेहादी मानसिकता वाले गिरोहों को आर्थिक व अन्य पोषण देने वाले सफेदपोश तत्वों समेत इन आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

वैदिक एवं पश्चिमी वैचारिकता में अंतर्द्वंद

श्रेष्ठ गुणवत्ता को ग्रहण करें।

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में %अतिथि देवो भव% और %वसुधैव कुटुंबकम% वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

संजीव ठाकुर

देश में बढ़ते फर्जी विश्वविद्यालय, राष्ट्रनिर्माण में अड़चनें और युवा पीढ़ी की हत्या

भारत वह देश है जिसने विश्व को सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना के साथ ज्ञान का प्रकाश दिया। यहीं से तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के ध्रुवतारे उदित हुए, जिन्होंने मानवता को शिक्षा के उजाले में दीर्घकाल तक आलोकित किया। हमारे यहाँ शिक्षा को व्यापार नहीं, बल्कि साधना माना गया। लेकिन आज, उसी भारत की भूमि पर शिक्षा के नाम पर जो कारोबार फल-फूल रहा है, वह न केवल हमारी सभ्यता को कलंकित कर रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी अंधकार में धकेल रहा है। देश के कोने-कोने में खुले फर्जी विश्वविद्यालय अब एक संस्थागत धोखा बन चुके हैं। ये संस्थान शिक्षा नहीं देते, बल्कि आशाओं की हत्या करते हैं। वे डिग्रियों का उत्पादन करते हैं, पर ज्ञान और कौशल का नहीं। इनके लिए छात्र महज़ ग्राहक हैं और डिग्री एक वस्तु जिसे पैसे के बदले खरीदा जा सकता है। यह केवल शिक्षा की हत्या नहीं है, यह भारत के भविष्य की हत्या है और दुर्भाग्यवश यह हत्या निरंतर, योजनाबद्ध और बेधड़क जारी है। इन विश्वविद्यालयों का जाल अत्यंत शातिर तरीके से बुना जाता है। बड़ी-बड़ी इमारतें, विज्ञापनों में शानदार दावे, प्रमाणपत्रों पर नकली मान्यताओं की मोहरें, और अभिभावकों को भ्रमित करने के लिए प्रचारित 100त्न प्लेसमेंट गारंटी? जैसे झूठ दावे। ये सब एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के भोले-भाले छात्र एवं अभिभावक, जिनके लिए शिक्षा एकमात्र आशा की किरण होती है, वे इन जालसाजों के शिकार बन जाते हैं। यह विडंबना है कि जब सरकारें डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, और न्यू एजुकेशन पॉलिसी जैसे भविष्यदृष्टि कार्यक्रम चला रही हैं, तब उसी समय देश में दर्जनों ऐसे विश्वविद्यालय बिना किसी वैध मान्यता के सालों से चल रहे हैं। यूजीसी द्वारा हर वर्ष जारी की जाने वाली 'फर्जी विश्वविद्यालयों' की सूची, यह सिद्ध करती है कि यह केवल एक अनदेखा खतरा नहीं, बल्कि एक गंभीर और सुनियोजित षड्यंत्र है। इन संस्थानों के संचालक केवल शिक्षा से नहीं, मानवता से विश्वासघात कर रहे हैं। वे भारत के युवाओं की ऊर्जा, समय और संसाधनों को चूसकर उन्हें निराशा की खाई में फेंक रहे हैं। जिस युवा को राष्ट्रनिर्माण में लगना चाहिए, वह फर्जी डिग्री के साथ दर-दर भटकता है, अपमान सहता है, और कई बार मानसिक अवसाद का शिकार होकर आत्महत्या जैसे चरम कदम तक पहुँच जाता है। यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षति है।इस खेल की भयावहता तब और अधिक स्पष्ट होती है जब हम देखते हैं कि इन विश्वविद्यालयों को किसी न किसी रूप में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है। वे या तो किसी रसूखदार नेता के संरक्षण में चलते हैं, या फिर सरकारी उदासीनता के कारण आँखों के सामने पनपते रहते हैं। कई बार ये संस्थान चुनावी क्षेत्रों में केवल वादे पूरे करने के लिए स्थापित किए जाते हैं हमने आपके क्षेत्र में विश्वविद्यालय दिया । भले ही वह विश्वविद्यालय न शिक्षा देता हो, न रोजगार। केवल भ्रम देता हो और पीड़ा। यह भी सत्य है कि इन संस्थानों को बंद कर देना ही पर्याप्त नहीं है। जब तक ऐसे अपराधियों को उदाहरणात्मक दंड नहीं दिया जाएगा, जब तक शिक्षा मंत्रालयों और नियामक संस्थाओं को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक यह खेल चलता रहेगा। केवल यूजीसी की वेबसाइट पर फर्जी संस्थानों की सूची डाल देना पर्याप्त नहीं है। आम लोगों को, खासकर ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में रहने वालों को इस धोखे के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। हमारे देश में लाखों छात्र हर वर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं। उनकी आकांक्षाएँ, उनके माता-पिता के बलिदान और उनके शिक्षकों की उम्मीदें उस एक प्रवेश प्रक्रिया में समाहित होती हैं। जब कोई छात्र फर्जी विश्वविद्यालय में दाखिला लेता है, तो वह केवल अपने पैसे नहीं खोता, वह अपने आत्मविश्वास, अपनी दिशा और अपने देश की प्रति अपनी निष्ठा भी खो देता है। और जब देश का युवा ठगा जाता है, तो ठगा जाता है पूरा राष्ट्र। क्योंकि युवाओं में न केवल ऊर्जा होती है, बल्कि परिवर्तन की शक्ति भी होती है। और यदि यह शक्ति फर्जी शिक्षा में उलझ जाए, तो वह देश की उन्नति की बजाय पतन का कारण बन सकती है।सरकार को इस विषय पर एक राष्ट्रीय एक्शन प्लान के साथ सामने आना होगा। प्रत्येक राज्य को अनिवार्य रूप से एक शिक्षा संरक्षण प्रकोष्ठ बनाना चाहिए, जो न केवल संस्थानों की मान्यता को सत्यापित करे, बल्कि फर्जी संस्थानों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्यवाही भी करे। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक ऐसा पोर्टल तैयार किया जाना चाहिए, जहाँ छात्र किसी भी विश्वविद्यालय की वैधता को तुरंत जाँच सकें। हमारा समाज भी इस जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अभिभावकों को जागरूक होना होगा, मीडिया को इस विषय को प्राथमिकता देनी होगी, और शिक्षकों को बच्चों को केवल किताबें पढ़ाने के बजाय सावधानियाँ और निर्णय क्षमता भी सिखानी होगी। यह घड़ी केवल आलोचना की नहीं है, कार्रवाई की माँग कर रही है। जब तक देश में फर्जी विश्वविद्यालयों के द्वार बंद नहीं होंगे, तब तक वास्तविक ज्ञान का द्वार अधखुला ही रहेगा। हम यह नहीं कह सकते कि हम विकसित हो रहे हैं, यदि हमारे बच्चे ठग लिए जा रहे हों। हम यह दावा नहीं कर सकते कि हम शिक्षा में आत्मनिर्भर बन रहे हैं, जब तक हमारे विश्वविद्यालय आत्मा से खाली हों और केवल बाहरी दिखावे से सजे हों। हम तब तक ज्ञान की महाशक्ति नहीं बन सकते, जब तक शिक्षा का नाम लेकर अपराधियों की दुकानें बंद न की जाएँ। इसलिए यह आवश्यक है कि अब देश यह स्पष्ट कहे शिक्षा का अपमान नहीं सहेंगे। फर्जी विश्वविद्यालय अब नहीं चलेंगे। और यदि कोई चलाएगा, तो वह जेल जाएगा।

हंसराज चौरसिया

तकनीक का अंधेरा पक्ष- ई-वेस्ट और हमारी लापरवाही

[जहरीली चुप्पी- ई-वेस्ट कैसे निगल रहा है हमारी धरती]

क्या आपने कभी सोचा कि आपके चमकदार स्मार्टफोन का अंत कहाँ होता है? वह फोन, जिसे आप रात-दिन थामे रहते हैं, एक दिन "बेकार"होकर कूड़े के ढेर में दफन हो जाता है। लेकिन रुकिए—यह सिर्फ कचरा नहीं है; यह इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई-वेस्ट) है, एक ऐसा ज़हर जो हमारी धरती की नसों में घुल रहा है, हवा को विषैला कर रहा है, और हमारी सेहत को चुपके से निगल रहा है। हम तकनीक की चकाचौंध में खोए हैं, लेकिन इस चमक के पीछे छिपा है एक अंधेरा खतरा, जो हमारी अनदेखी का इंतज़ार कर रहा है। ई-वेस्ट सिर्फ पुराने गैजेट्स का ढेर नहीं—यह हमारी लापरवाही का वह दाग है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। हम तकनीक के युग में जी रहे हैं, जहाँ हर साल नया स्मार्टफोन, टीवी, या लैपटॉप बाजार में आता है, और पुराना सामान या तो घर के किसी कोने में धूल खाता है या कचरे में फेंक दिया जाता है। लेकिन यह कचरा इतना साधारण नहीं। संयुक्त राष्ट्र की 2024 ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में दुनिया ने 62 मिलियन टन ई-वेस्ट पैदा किया, और यह 2030 तक 82 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भारत इस मामले में तीसरे नंबर पर है, जहाँ हर साल 3.2 मिलियन टन ई-वेस्ट उत्पन्न होता है, जैसा कि सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) बताता है। लेकिन चिंता की बात? इसमें से सिर्फ 32त्न ही सुरक्षित रूप से रीसाइकल होता है। बाकी या तो लैंडफिल में सड़ता है या असंगठित क्षेत्रों में जहरीले तरीकों से निपटाया जाता है।

ई-वेस्ट में लेड, मरकरी, कैडमियम, और ब्रोमीन जैसे जहरीले रसायन होते हैं। जब पुराने उपकरण खुले में जलाए जाते हैं, तो डाइऑक्सिन और फ्यूरान जैसी विषैली गैसें निकलती हैं, जो हवा को प्रदूषित करती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, इन रसायनों के संपर्क में रहने से कैंसर, श्वसन रोग, त्वचा विकार, और मस्तिष्क संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। बच्चे और गर्भवती महिलाएँ इनके सबसे आसान शिकार हैं। जब ये उपकरण लैंडफिल में दबाए जाते हैं, तो उनके रसायन मिट्टी और भूजल में मिलकर उन्हें ज़हरीला बनाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, भारत के 70% से ज्यादा भूजल स्त्रोत पहले ही प्रदूषित हो चुके हैं, और ई-वेस्ट इसका एक बड़ा कारण है।

भारत में ई-वेस्ट की तस्वीर और भी डरावनी है। दिल्ली के सीलमपुर, मुंबई के धारावी, और बेंगलुरु के बाहरी इलाकों में हजारों गरीब मजदूर और बच्चे असंगठित क्षेत्रों में ई-वेस्ट को तोड़ते हैं। बिना मास्क या दस्तानों के, वे जहरीली धूल और गैसों के बीच तांबा, सोना, और अन्य धातुएँ निकालते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे क्षेत्रों में काम करने वाले 70% से ज्यादा लोग श्वसन और त्वचा रोगों से पीड़ित हैं। यह सिर्फ पर्यावरणीय आपदा नहीं, बल्कि मानवीय त्रासदी भी है। इन मजदूरों को न तो उचित मजदूरी मिलती है, न स्वास्थ्य सुविधाएँ, और न ही उनके अधिकारों की रक्षा होती है। दिल्ली के मंडोली जैसे इलाकों में ई-वेस्ट जलाने से निकलने वाला धुआँ आसपास के लोगों के लिए साँस लेना मुश्किल कर देता है। यह एक ऐसा चक्र है, जो गरीबी, अज्ञानता, और लापरवाही से चल रहा है।

सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कदम उठाए हैं। 2016 में लागू 'ई-वेस्ट (प्रबंधन) नियम', जिन्हें 2022 में और सख्त किया गया, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादकों को अपने उत्पादों के निपटान की जिम्मेदारी सौंपते हैं। लेकिन हकीकत निराशाजनक है। ष्ट्वक्क्क की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में सिर्फ 10त्न उपभोक्ता अपने पुराने उपकरण अधिकृत रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करते हैं। कारण? जागरूकता की कमी और रीसाइक्लिंग सेंटरों की अपर्याप्त संख्या। कई शहरों में ऐसे सेंटर हैं ही नहीं, और अगर हैं, तो लोगों को उनकी जानकारी नहीं। कंपनियाँ भी नियमों का पालन करने में लापरवाही बरतती हैं। नतीजा ई-वेस्ट का पहाड़ बढ़ता जा रहा है।

इस संकट का समाधान असंभव नहीं। हमें व्यक्तिगत, सामाजिक, और सरकारी स्तर पर मिलकर काम करना होगा। सबसे पहले, जागरूकता जरूरी है। स्कूलों, कॉलेजों, और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को ई-वेस्ट के खतरों और इसके सही निपटान के बारे में बताया जाना चाहिए। सरकार और गैर-सरकारी संगठन (NGOs) मिलकर अभियान चला सकते हैं। दूसरा, रीसाइक्लिंग को आसान बनाना होगा। हर शहर में अधिकृत कलेक्शन सेंटर होने चाहिए, और कंपनियों को पुराने उपकरण वापस लेने के लिए डिस्काउंट या कैशबैक जैसे प्रोत्साहन देना चाहिए। तीसरा, हमें अपनी आदतें बदलनी होंगी। नया स्मार्टफोन खरीदने की जल्दबाजी से बचें। अगर उपकरण खराब है, तो उसे फेंकने की बजाय मरम्मत कराएँ। जो उपकरण काम नहीं कर रहे, उन्हें कबाड़ीवाले को देने की बजाय रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करें। उद्योगों की भी जिम्मेदारी है। उन्हें पर्यावरण-अनुकूल डिज़ाइन अपनाने चाहिए, जैसे कि आसानी से रीसाइकल होने वाले उपकरण बनाना। साथ ही, सरकार को नियमों को और सख्ती से लागू करना होगा और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों के लिए सुरक्षित विकल्प तलाशने होंगे। तकनीक के इस युग में, अगर हम स्मार्टफोन चला सकते हैं, तो इतना समझदार भी होना चाहिए कि उसका अंत सुरक्षित हो। आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ हमारे पास दो रास्ते हैं। एक रास्ता हमें उस कचरे के ढेर की ओर ले जाता है, जो हमारी धरती को ज़हर देगा। दूसरा रास्ता जागरूकता, जिम्मेदारी, और सामूहिक प्रयासों का है, जो हमें एक स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य दे सकता है। यह सिर्फ सरकार या कंपनियों की जिम्मेदारी नहीं—यह हमारी, आपकी, और मेरी जिम्मेदारी है। अगली बार जब आप पुराना फोन या लैपटॉप फेंकने जाएँ, तो रुकें। सोचें। और उसे रीसाइक्लिंग सेंटर में जमा करें। यह छोटा सा कदम हमारी धरती को साँस लेने का मौका देगा। क्योंकि तकनीक का यह युग सिर्फ चमक के लिए नहीं, बल्कि उस चमक को बचाने के लिए भी है। हमारा भविष्य इस कचरे के ढेर में दफन होने के लिए नहीं, बल्कि हरी-भरी धरती पर मुस्कुराने के लिए है।

प्रो. आरके जैन

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस — लोकतंत्र की साँस, समाज की आवाज़

प्रेस की स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र के लोकतंत्र की रीढ़ है। यह न केवल पत्रकारों के लिए एक पेशेवर अधिकार है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक नैतिक और संवैधानिक ज़िम्मेदारी भी है। जब कोई पत्रकार सच्चाई को उजागर करने के लिए अपने जीवन की परवाह किए बिना मैदान में उतरता है, तब वह केवल एक खबर नहीं लिख रहा होता, वह लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित रखने का कार्य कर रहा होता है। प्रेस लोकतंत्र की उस आत्मा की तरह है, जो सत्ता, समाज और नागरिकों के बीच पुल बनती है एक ऐसा पुल जो सच्चाई से निर्मित होता है और नैतिकता की नींव पर खड़ा रहता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की नींव 1991 में नामीबिया के विंडहोक शहर में रखी गई, जहाँ अफ्रीकी पत्रकारों ने एक घोषणापत्र पारित किया। जिसे विंडहोक घोषणा के नाम से जाना जाता है। यह घोषणा औपनिवेशिक और दमनकारी शासन की पृष्ठभूमि में एक साहसी कदम था, जिसमें स्वतंत्र, बहुलवादी और विविध प्रेस की आवश्यकता को मान्यता दी गई थी। अफ्रीका जैसे भू-भाग में, जहाँ दशकों से प्रेस को सत्ता की कठपुतली बनाकर रखा गया था, वहाँ यह घोषणापत्र एक क्रांति की तरह था एक विचार कि जनता को सच जानने का अधिकार है, और प्रेस को सच कहने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। 1993 में, संयुक्त राष्ट्र ने 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में घोषित किया। यह दिन अब सिर्फ अफ्रीकी संदर्भों तक सीमित नहीं रहा, यह आज वैश्विक पत्रकारिता के संघर्षों, बलिदानों और योगदानों को स्मरण करने का एक अवसर बन गया है। यह दिन पत्रकारों की उस साधना को नमन करता है जो सत्ता के झूठ को उजागर करती है, और समाज के सबसे निचले, सबसे हाशिए पर खड़े व्यक्ति की आवाज़ को भी दुनिया के सामने लाने का प्रयास करती है।आज जब हम तकनीकी क्रांति के युग में जी रहे हैं, जहाँ हर हाथ में स्मार्टफोन और हर आंखें स्क्रीन से चिपकी हैं, तब सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज़ है। लेकिन इसी गति में छिपी है एक नई चुनौती, गलत जानकारी, अफवाहें, और योजनाबद्ध फर्जी खबरों का व्यापक प्रसार। ऐसे समय में एक स्वतंत्र, जिम्मेदार और नैतिक प्रेस ही वह दीया है जो अंधकार में भी सत्य की लौ जलाए रखती है। यह वह संस्था है जो सत्ता के खोखले वादों, कारपोरेट के छल और सामाजिक भेदभाव के बीच जनता के लिए एक विश्वास का स्तंभ बनकर खड़ी रहती है।भारत में प्रेस की भूमिका विशेष रूप से ऐतिहासिक रही है। आज़ादी के आंदोलन में भारतीय पत्रकारिता ने केवल समाचार नहीं छापे, बल्कि ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ जनजागरण की मशाल जलाई। गणेश शंकर विद्यार्थी, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधीसभी ने कलम को हथियार बनाया और सच्चाई को जनक्रांति का माध्यम बनाया। लेकिन वही भारत आज अनेक बार ऐसे दौर से गुजरता है जहाँ पत्रकारों को सेंसरशिप, धमकियों, यहां तक कि हत्या तक का सामना करना पड़ता है। रिपोर्टिंग पर प्रतिबंध, अभिव्यक्ति पर रोक और सत्य पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सत्ता की संस्थाएँ जब पत्रकारों को नियंत्रित करने लगें, तब यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने जैसा है। आज जब हम विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, यह सिर्फ उत्सव का दिन नहीं, चेतना का दिन है। यह वह दिन है जब हम समाज के हर नागरिक को यह याद दिलाते हैं कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक की सुरक्षा की गारंटी है। यदि प्रेस स्वतंत्र होगी तो ही नागरिक सच जान सकेगा, सवाल पूछ सकेगा और शासन को उत्तरदायी बना सकेगा।पत्रकारिता केवल घटनाओं का ब्यौरा नहीं है यह उस संवेदना का विस्तार है जो समाज में न्याय, समानता और सच्चाई की बुनियाद रखती है। जब कोई पत्रकार खेतिहर मज़दूर की भूख, दलितों पर अत्याचार, महिलाओं पर हो रहे शोषण, या किसी आदिवासी समुदाय की पीड़ा को राष्ट्र के समक्ष रखता है, तब वह केवल एक खबर नहीं बना रहा होता। वह एक आंदोलन रच रहा होता है। वह इस मौन समाज को आवाज़ दे रहा होता है। लेकिन आज इस आवाज़ को दबाने के प्रयास हो रहे हैं। न केवल बंदूक की नोक पर, बल्कि आर्थिक दबाव, कॉर्पोरेट नियंत्रण और सरकारी नीतियों के माध्यम से भी। कई बार पत्रकारों को 'देशद्रोही', 'एजेंडा चलाने वाले' कहकर बदनाम किया जाता है, ताकि उनके सवालों को अमान्य किया जा सके। यह केवल पत्रकारों पर हमला नहीं है, यह उस सच पर हमला है जो हमें जागरूक नागरिक बनाता है।इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सब चाहे हम छात्र हों, शिक्षक हों, नेता हों, किसान हों या आम नागरिक प्रेस की स्वतंत्रता के प्रहरी बनें। हम उस हर ताकत के विरुद्ध खड़े हों जो कलम की धार को कुंद करने की कोशिश करे। हमें यह समझना होगा कि जब तक प्रेस स्वतंत्र है, तब तक समाज में उजाला है। और जब प्रेस पर प्रतिबंध लगता है, तब अंधकार केवल खबरों में नहीं, हमारे सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति में भी घर कर जाता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सच्चाई की लड़ाई लड़ने वालों को हम अकेला न छोड़ें। यह एक आह्वान है कि हम उन सभी पत्रकारों के संघर्ष और बलिदान को नमन करें जिन्होंने झूठ के साम्राज्य के विरुद्ध सत्य की मशाल उठाई। यह वह दिन है जब हम यह संकल्प लें कि कलम की आज़ादी की रक्षा हम हर कीमत पर करेंगे, क्योंकि यही वह आज़ादी है जो हमें एक जागरूक, न्यायपूर्ण और मानवीय समाज की ओर ले जाती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव ने पत्रकारों को अंग वस्त्र भेंट कर किया सम्मानित

बिसवां (सीतापुर)– विश्व प्रेस दिवस के अवसर पर बिसवां क्षेत्र के पूर्व विधायक महेंद्र सिंह यादव ने क्षेत्र के पत्रकारों को अंगवस्त्र भेंट कर अपने कार्यालय पर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ हैं, जिनकी वजह से दूर-दराज़ की खबरें भी आम लोगों तक पहुंच पाती हैं। पूर्व विधायक यादव ने कहा कि पत्रकार बिना किसी डर और दबाव के, अपनी जान की परवाह किए बिना, जनता तक सच्चाई पहुंचाने का कार्य करते हैं। यह कार्य अत्यंत सराहनीय और समाज के लिए आवश्यक है। इस सम्मान समारोह में आलोक गुप्ता, पद्मकांत शर्मा, चंद्रपाल, नवनीत, रूपेश, नागेंद्र यादव, विकास, कुलदीप समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध तमंचे के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

पिहानी कोतवाली के बगौछा गांव में पुलिस ने शुक्रवार रात मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। कोतवाल विद्यासागर पाल मुताबिक मुखबिर ने बताया कि गांव में एक व्यक्ति अवैध तमंचा लेकर खुलेआम घूम रहा है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विद्यासागर पाल ने एसआई मुकुट सिंह , हेड कांस्टेबल सुशील, कांस्टेबल भानु ,महिला कांस्टेबल सरिताको टीम के साथ तत्काल मौके पर भेजा। पुलिस को देख आरोपी मानसिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह भागने लगा। इस पर उसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया। आरोपी के पास से 12 बोर का तमंचा बरामद हुई।पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

पिहानी कोतवाली के अंतर्गत जहानी खेड़ा चौकी पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी को धामापुर गांव से मिथुन कश्यप पुत्र रोहित कश्यप को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी विद्यासागर पाल ने बताया कि 30 अप्रैल को एक परिवार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 17 वर्षीय बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। कोतवाल विद्यासागर पाल के निर्देशन में जहानी खेड़ा चौकी इंचार्ज विजय शुक्ला , हेडकांस्टेबल आशीष सिंह, हेड कांस्टेबल सर्वेश की विशेष टीम गठन किया गया। शनिवार को जहानी खेड़ा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कार्यालय के समक्ष पेश किया है

इनर व्हील क्लब की ओर से गोद लिए स्कूल को आरओ वाटर कूलर की सौगात

हरदोई– इनर व्हील क्लब हरदोई द्वारा हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट के अंतर्गत गोद लिए गए उच्च प्राथमिक विद्यालय ककराली खेड़ा में आज स्वच्छ पेयजल आपूर्ति हेतु स्थापित आरओ वाटर कूलर का शुभारम्भ संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने विद्यालय परिसर मे स्थित आरओ वाटर कूलर व् शौचालय का शुभारम्भ कर, विद्यार्थियों को समर्पित किया। इसी क्रम मे जिला पंचायत अध्यक्ष ने सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे व् शैक्षणिक संसाधनों को विकसित करने हेतु आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराये जाने का आश्वासन प्रदान करते हुए, विद्यालय को हैप्पी स्कूल बनाये जाने के सम्बन्ध मे शिक्षकों व् अभिभावकों विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा नेत्री अनुराधा मिश्रा, विद्यालय प्राचार्या नीलम सिंह सहित इनर व्हील क्लब पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं व् होनहार विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पत्रकारों की समस्या समाधान की वकालत मुख्यमंत्री से करूंगा- मयंकेश्वर शरण सिंह

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। मजदूर दिवस के अवसर पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन और यू.पी. प्रेस क्लब की संयुक्त सभा में मुख्य अतिथि संसदीय कार्य एवं चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने आश्वस्त किया कि वह पेंशन एवं पत्रकारों की अन्य मांगों के लिए मुख्यमंत्री से एक वकील की तरह पर पैरवी करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने प्रेस क्लब में पत्रकारों के लिए एक वाटर कूलर लगवाने की भी घोषणा की है। यू.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन ने प्रदेश सरकार से पत्रकारों को पेंशन दिए जाने सम्बन्धी लम्बित प्रस्ताव के प्रकरण सहित अन्य मांगों का ज्ञापन सौंपा।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष के विक्रम राव ने जोर देकर कहा कि पत्रकारों को बुद्धिजीवी कहना ज्यादती है, वह श्रमजीवी हैं। यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकारों की प्रमुख मांग पेंशन को सरकार तुरंत लागू करें। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने उक्त प्रस्ताव के अलावा पत्रकार सुरक्षा कानून, पी.जी.आई में सभी पत्रकारों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा का लाभ, पत्रकारों के उत्पीड़न सम्बन्धी मामलों पर नजर रखने के लिए त्रिपक्षीय समिति गठिन करने और सस्ते भूखण्ड उपलब्ध कराने की भी मांग की।

उन्होंने इस अवसर पर विज्ञापन में छोटे एवं मझोले अखबारों के लिए निश्चित कोटा निर्धारित करने, न्यूज आधारित वेब साइट के लिए नियमावली और उनके पत्रकारों के लिए मान्यता तथा दिवंगत पत्रकारों के निधन के बाद उनके परिवारों की आर्थिक सहायता के लिए नियमावली बनाये जाने की भी मांग की है। आयुष्मान योजना के विस्तार और उसके सही क्रियान्वयन की भी मांग उठाई गई।

यूनियन ने प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि पत्रकारों को रेल किराये में मिल रही छूट को बहाल करने के लिए केन्द्र सरकार से संस्तुति करे। इसके अलावा प्रेस काउंसिल के स्थान पर मीडिया काउंसिल गठित करने और टोल प्लाजा में लगने वाले शुल्क में पत्रकारों के वाहनों को छूट दिए जाने का भी अनुरोध किया गया। कार्यक्रम से पूर्व पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए हमले में मारे गए देशवासियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया, इस संबंध में प्रस्ताव में सबक सिखाने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन किया गया। इस अवसर पर शिव शरण सिंह, प्रेम कांत तिवारी, देवराज सिंह, विश्व देव राव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सेंट जेवियर्स स्कूल बिसवां ने फिर से लहराया परचम

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर में आयोजित तृतीय जनपद स्तरीय योग प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स स्कूल बिसवां के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर से अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया तथा प्रतियोगिता में सात मेडल व एक ट्रॉफी जीत करके अपने विद्यालय एवं अपने नगर बिसवां का नाम रोशन किया है। आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं अंशदीप कौर, अलीशा खातून,आदर्श वर्मा, अल्फैज़ अली,कार्तिक शुक्ल,सिद्धार्थ मौर्य,निष्ठा वर्मा,साक्षी वर्मा, रुश्दा खान,अंशुल वर्मा तथा टीम कोच आर्यमान सिंह का भव्य स्वागत तिलक लगाकर किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर मंजू सिंह शिकरवार ने इस अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं दी। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य प्रखर शुक्ल ने इस अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह हमारे विद्यालय के लिए गौरव के क्षण है तथा भविष्य में भी बच्चों को ऐसे ही विद्यालय का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अंकुश वर्मा,मीर शेखावत अली,पूर्णिमा मिश्रा,प्रभात श्रीवास्तव,प्रशांत त्रिपाठी, कादिर नवाज खान, पुष्पेंद्र वर्मा आदि उपस्थित रहे।

रियल टाइम खसरा खतौनी में त्रुटियों से परेशान किसान, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने उठाई किसानों की आवाज

स्वतंत्र प्रभात

भारतीय जनता युवा मोर्चा
शुभम सिंह 'अनन्त'

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील में किसानों के अंश निर्धारण में हो रही गंभीर त्रुटियों के खिलाफ भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने आवाज बुलंद की है। भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष शुभम सिंह 'अनन्त' ने मोहनलालगंज तहसील के सपूर्ण समाधान दिवस प्रभारी को एक लिखित पत्र सौंपकर, रियल टाइम खसरा खतौनी में हुई गड़बड़ियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने की मांग की है। शिकायती पत्र में शुभम सिंह ने बताया कि पूर्ववर्ती शासन द्वारा रियल टाइम खसरा खतौनी बनवाया गया था, जिसमें अंश निर्धारण के दौरान बड़े पैमाने पर त्रुटियाँ की गईं। कई मामलों में खातेदारों का अंश गलत, अधिक या कम दर्ज कर दिया गया। जिससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गड़बड़ी के कारण ना केवल किसान अपने सही हिस्से से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अंश निर्धारण विवादों के चलते कानूनी अड़चनें भी उत्पन्न हो रही हैं। शिकायत पत्र में एक किसान श्रवण कुमार का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि उन्होंने कई बार शिकायत दर्ज करवाई, लेखपाल के निरीक्षण के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। श्रवण कुमार द्वारा दी गई प्रतियां भी पत्र के साथ संलग्न की गई हैं।शुभम सिंह ने आग्रह किया है कि किसानों की इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु तहसील स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर अंश निर्धारण को सही करवाया जाए, जिससे हजारों किसानों को राहत मिल सके।यह मुद्दा क्षेत्रीय किसानों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। और अब सभी की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मांग पर किस प्रकार की कार्यवाही करता है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने डेडीकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट का किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात

बीकेटी ,लखनऊ बीकेटी के साढ़ामऊ स्थिति राम सागर मिश्रा 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक द्वारा शनिवार को कई स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया जिसमें नवजात शिशुओं के लिए डेडीकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट के साथ साथ जन औषधि केंद्र, स्पोक और हब मॉडल पैथोलॉजी का शुभारंभ भी किया। ब्रजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि डेडीकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट में 44 बेड जनरल पीडियाट्रिक वार्ड, आ ई एम यू अस्पताल में सुविधा के लिए उपलब्ध है। उत्तर प्रदेश के पीजीआई के बाद ये पहला अस्पताल होगा जिसमें एम एन सी यू होगा जिसमें जच्चा बच्चा एक साथ रह सकेंगे इसके साथ-साथ स्पोक और हब मॉडल पर पैथोलॉजी लैब को लखनऊ की आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जोड़ा गया है जिसमें खून के नमूने लेकर जांच की जाएगी लैब का संचालन 24 घंटे किया जाएगा वही

अस्पताल में मरीज को सभी तरह की दवाएं मुक्त उपलब्ध कराई जा रही हैं मरीज को सस्ती दवाई उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केंद्र का भी उद्घाटन किया इसके साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान में वृक्षारोपण भी किया गया ।बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला ने हॉस्पिटल में 100 बेड और बढ़ाने की बात रखी इसके साथ साथ हॉस्पिटल को ट्रामा सेंटर बनाए जाने का भी मुद्दा डिप्टी सीएम से की जिस पर डिप्टी सीएम

द्वारा जल्द की कार्य योजना बना कर स्वीकृति प्रदान करने की बात कही। कार्यक्रम में राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, विधायक बीकेटी योगेश शुक्ला, सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान, महानिदेशक डॉ रतनपाल सिंह सुमन, अपर निदेशक डॉक्टर जी पी गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र बहादुर सिंह, अधीक्षक डॉ वी के सिंह,डॉ सुमित महराज,डॉ गिरीश चंद्र पाण्डेय, इटौंजा नगर पंचायत अध्यक्ष कमल अवस्थी, पूर्व चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू, मंडल अध्यक्ष, हॉस्पिटल स्टॉप सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई द्वारा कोथावां इकाई का गठन कर वितरित किए प्रमाण पत्र

● राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई की कोथावां इकाई का निर्वाचन हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

कोथावां– विकासखंड कोथावां ब्लॉक सभागार में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई द्वारा कोथावां इकाई का गठन हुआ। महासंघ हरदोई द्वारा आयोजित हुए सामान्य निर्वाचन में शिक्षकों को चयनित कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला संयोजक शचींद्र मिश्रा सचिन ने बताया राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई को पूर्ण आशा है कि नियमावली एवं रीति नीति एवं सम्यक का पालन करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कोथावां इकाई को मजबूती प्रदान करते हुए अनवरत शिक्षक हितों में संलग्न रहेंगे महासंघ के प्रति आपकी निष्ठा एवं शिक्षक हितेषी आचरण सकारात्मक रहेगी। संगठन के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी को एकजुट होने का आह्वान किया एवं ब्लॉक से जिले तक शिक्षकों की सभी समस्याओं के निस्तारण में कंधे से कंधा लगाकर सहयोग करने का भरोसा दिया। चुनाव अधिकारी योगेश वर्मा एवं चुनाव पर्यवेक्षक देवेश सिंह भदौरिया द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। निर्वाचन के उपरांत सत्येन्द्र तिवारी के संरक्षण में अंकित सिंह को अध्यक्ष, विकास वर्मा महामंत्री, राहुल कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुणेंद्र प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष, देव राज संगठन मंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर श्री रविकांत, गुलाम मेहंदी नकवी, श्याम मिश्रा, सरिता देवी, राज सिंह एवं रूपेंद्र सिंह को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। संयुक्त मंत्री के रूप में मुख्य संगठनकर्ता के दायित्व में अरविंद भार्गव, गुफरान हैदर, जय प्रकाश, राहुल सिंह, महेंद्र यादव, मंशाराम को पदभार आवंटित किया गया।

जिलासंयोजक शचींद्र मिश्रा एवं जिला सहसंयोजक अखिलेश कुमार सिंह ने सभी को बधाई देते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ संगठन में जुड़ने की अपील की तथा शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन संगठन संरक्षक सत्येन्द्र तिवारी ने किया। नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविंद प्रताप सिंह, रमेश पांडेय, सतेन्द्र तिवारी, पंकज रस्तोगी, भुवनेश सिंह, राघवेन्द्र दीक्षित, अरविन्द सैनी, आनंद, अतुल, अमित, नेहा सिंह, कंचनगरिमा भारती, कीर्ति यादव सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

बेनीगंज/हरदोई– बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रैपाल पुर निवासी रामस्वरूप पुत्र नन्हकौनू उम्र करीब 50 वर्ष पूरवाबाजीराव में एक निमंत्रण में गए हुए थे। रात को अपने घर वापस आ रहे थे। तभी अतरौली कोथावां मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिनको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां उनकी मृत्यु हो गई है। परिजनों के मुताबिक मृतक की पत्नी रामरानी,माता अमरवती पुत्र संजय 25 वर्ष,मंजेश 18 वर्ष, लड़की रीता उम्र 15 वर्ष बताई गई है। सूचना मिलते ही पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी कृष्ण बली सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तहरीर मिलने के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पति और ससुरालियों की हैवानियत....

● दहेज में बुलेट न मिलने पर नवविवाहिता को प्रताड़ित किया, नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो बनाया

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के भसन्डा गांव में एक नवविवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने बताया कि उसका निकाह दस मार्च 2022 को हुआ था। शादी के बाद वह अपने पति और ससुरालियों के साथ रहने लगी थी। पीड़िता के पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज भी दिया, लेकिन ससुराल पक्ष एक बुलेट मोटरसाइकिल की अतिरिक्त मांग कर रहे थे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर, पीड़िता के अनुसार, उसका मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न शुरू हो गया। मारपीट की घटनाएं आम हो गईं। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि बीते सितम्बर 2024 में उसके पति ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो बना लिया। इस दौरान नशे की हालत में पीड़िता के जेठ ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया।पीड़िता ने बताया कि उसका पति उक्त वीडियो उसकी चाची के मोबाइल पर भेज चुका है। जब पीड़िता ने अपने पिता को यह बात बताई और वह ससुराल पहुँचे, तो वहां उन्हें अपमानित कर गालियाँ दी गईं और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया गया। कुछ ही दिनों बाद पीड़िता को बुरी तरह मार-पीट कर घर से निकाल दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि उसका जेठ उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाता रहा। हाल ही में तीन अप्रैल 2025 को भी पीड़िता को पति द्वारा बुरी तरह पीटा गया। इस मामले में पीड़िता ने पुलिस और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। वही मोहनलालगंज पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुटी है।

सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे की हुई समाधान दिवस में शिकायत

● न्यायालय आदेश के बावजूद प्रशासन मौन, पीड़ित न्याय की आस में...

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के जमालपुर ददुरी गांव में स्थानीय प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे का गंभीर मामला सामने आया है। खसरा संख्या 2287/762, जो कि राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि के रूप में दर्ज है, उस पर अवैध रूप से पक्का निर्माण कर लिया गया है। गांव के रहने वाले शंभु पासी का आरोप है कि यह निर्माण हरिश्चन्द्र वर्मा और तत्कालीन प्रधान सर्वेश कुमार द्वारा कराया गया है। इस अवैध निर्माण के खिलाफ मोहनलालगंज के न्यायालय से स्पष्ट आदेश प्राप्त हुआ था कि सम्पूर्ण निर्माण को गिराया जाए, लेकिन आदेश के बावजूद प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की। बल्कि, शिकायतकर्ता शंभु पासी का आरोप है कि तहसील के राजस्व विभाग कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच कर अवैध कब्जाधारियों को न केवल नाप कर दी, बल्कि कब्जा भी दिला दिया गया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश की सीधी अवहेलना मानी जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंजर भूमि पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण गैरकानूनी होता है।और इसका उल्लंघन राजस्व व भूमि नियमों का स्पष्ट हनन है। इसके बावजूद शिकायतों के बावजूद अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।शिकायतकर्ता ने मांग की है कि खसरा संख्या 2287 तथा 762 की बंजर भूमि पर किए गए सम्पूर्ण अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त किया जाए और भूमि को सुरक्षित कर राजस्व अभिलेखों के अनुसार संरक्षित किया जाए। यह मामला प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है, खासकर तब जब न्यायालय का आदेश भी मौजूद हो और फिर भी अवैध कब्जे को संरक्षण दिया जाए। अब देखना यह होगा कि शासन और प्रशासन इस प्रकरण को कितनी गंभीरता से लेता है और पीड़ित को न्याय दिलाने की दिशा में क्या कदम उठाए जाते हैं।

युवक को पीट कर किया लहुलुहान

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सरेनी रोड पर शाहपुर गांव के निकट शुक्रवार की देर शाम को दो युवकों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शाहपुर गांव निवासी धीरेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि वह शाम को गांव के चौराहे पर समोसा लेने गया था। तभी पूरे जीत मजरे हरीपुर के रहने वाले सूरज सिंह व पूरेजय सिंह का पुरवा मजरे हरीपुर के रहने वाले विशाल सिंह ने गाली गलौज करते हुए उसकी लाठी डंडों और लोहे की रॉड से पिटाई कर दी। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटे आ गई। आरोपियों ने उसे जान से मार डालने की धमकी दी। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे बचाकर इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पिहानी पुलिस नेअभियान चलाकर पकड़े 3 वांछित और वारंटी

● कोर्ट में तारीख पर नहीं पहुंचे, पुलिस ने तीन वारंटी किए गिरफ्तार। सभी को न्यायालय में किया पेश, एसपी नीरज जादौन के निर्देश पर हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात

पिहानी पुलिस ने वांछित और वारंटी के खिलाफ अभियान चलाकर शनिवार को तीन वारंटी अपराधी गिरफ्तार करने के बाद संबंधित न्यायालय में पेश किए गए।एसपी की ओर से अपराध समीक्षा बैठक कर सभी प्रभारी निरीक्षकों को वांछित और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कड़े निर्देश दिए गए थे। इसके बाद से अपराधियों की धरपकड़ की प्रक्रिया तेजी के साथ शुरू हो गई है। इसी क्रम में कोतवाल विद्यासागर पाल ने बताया की रौनक अली पुत्र सुजात अली उम्र 42 वर्ष व मोहम्मद आरिफ पुत्र सुजात अली उम्र 31 वर्ष मोहल्ला मीर सराय व सुंदर पुत्र पंचम उम्र 45 वर्ष रहीमपुर कोतवाली पिहानी को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों के कोर्ट से वारंट जारी किए गए थे। उप निरीक्षक मुकुट सिंह ,महिला उपनिरीक्षक दीक्षा यादव, कांस्टेबल प्रफुल्ल, भानु, जगतपाल आदि लोगों की टीम ने वारंटियों का अभियान चलाकर गिरफ्तारी की हैएसपी ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी प्रभारी निरीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पेंटर ने आम के पेड़ से लटककर दी जान, गाँव में दहशत का माहौल

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के पदमिनखेड़ा गाँव में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गाँव निवासी करण रावत (20) के रूप में हुई है, जो पेशे से पेंटर था।प्राप्त जानकारी के अनुसार, करण रावत दोपहर लगभग बारह बजे गाँव के बाहरी क्षेत्र में स्थित अपने ही आम के बाग में गया था। वहाँ उसने एक आम के पेड़ की डाल से मफलर का फंदा बनाकर खुद को फांसी पर लटका लिया। घटना की जानकारी तब हुई जब गाँव के ही निवासी नन्हे ने पेड़ से युवक को लटका देखा और शोर मचाया। शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण एकत्र हो गए और घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई।परिजन जब घटनास्थल पर पहुँचे तो उन्होंने करण को फंदे से नीचे उतारा। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। करण की आत्महत्या की सूचना मृतक के पिता राम आसरे ने स्थानीय पुलिस को दी।सूचना पाकर मौके पर पहुँची मोहनलालगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे के कारणों पर संशय बना हुआ है।

करण रावत की आत्महत्या से पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि करण मेहनती और मिलनसार युवक था और हाल ही में उसने पेंटिंग के कुछ नए प्रोजेक्ट शुरू किए थे। ऐसे में उसकी आत्महत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवारजनों से पूछताछ के बाद ही मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन दोपहर की बेला में कथा व्यास ने प्रहलाद हिरण्यकश्यप का प्रसंग सुनाया

बेनीगंज/हरदोई ग्राम झरोईया में श्री राधा कृष्ण मंदिर कुटी परिसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करा रहे कथा व्यास पंडित रामकिंकर शुक्ला ने दोपहर की बेला में प्रहलाद हिरण्यकश्यप का प्रसंग सुनाया। कथा व्यास ने बताया प्रह्लाद हिरण्यकश्यप का पुत्र था और भगवान विष्णु का बहुत बड़ा भक्त था। हिरण्यकश्यप को उसका बेटा पसंद नहीं था क्योंकि वह भगवान विष्णु की पूजा करता था। उसने उसे कई बार मारने की कोशिश की लेकिन भगवान ने हर बार प्रह्लाद को बचा लिया। अंत में भगवान विष्णु नरसिंह अवतार में आए और अपने वरदान का पालन करते हुए हिरण्यकश्यप का वध कर दिया। कथा परिसर में मौजूद भक्तों ने कथा का रसपान कर प्रफुल्लित हुए। धर्म के प्रति अपनी आस्था रखने वाले अमित शुक्ला उर्फ गुड्डू इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान ने कथा में आए सभी भक्तों का आभार जताया। और बताया कि ज्यादा से ज्यादा भक्त इस धार्मिक कार्यक्रम में आकर पुण्य के भागीदारी बनकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

संक्षिप्त खबरें

नगराम पुलिस ने चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नगराम, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना नगराम पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने शनिवार को चार वारंटियों को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि इनमें मितौली निवासी रामू और छेदा खेड़ा मजरा समेसी निवासी भगौती प्रसाद व पालखेड़ा मजरा पतौना निवासी बजरंग और देवी खेड़ा मजरा पतौना निवासी राकेश कुमार है जो लम्बे समय से न्यायालय में पेशी पर नहीं हाजिर हो रहें थे। शनिवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बाइक चोरी कर भग रहे युवक को पकड़ कर ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया

सिद्धार्थनगर। उसका थाना क्षेत्र के सोहास खास चौराहे से बाइक चोरी कर भाग रहे युवक को बाइक मालिक और युवकों ने पीछा कर पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है।राम कुमार यादव पुत्र अरविंद कुमार निवासी देउरा सोहास बाजार में अपनी सहज जन सेवा केन्द्र चलाते हैं।प्रतिदिन की तरह वह अपने सीएससी केंद्र पर पहुंच अपनी हीरो स्पेंडलेंडर बाइक को खड़ा कर लॉक लगाकर दुकान की साफ सफाई करने में जुट गए। इतने में एक युवक आकर बाइक का लाक तोड़कर लेकर चंपत हो लिया।जब बाहर की ओर देखा बाइक अपने स्थान पर न पाकर राम कुमार ने सड़क पर नजर दौड़ाई और कुछ अन्य सहयोगियों को लेकर शक के आधार पर दूसरी बाइक से पीछा किया।देखा कि एक व्यक्ति उसी मोटर साइकिल लेकर बड़ी तेजी से जा रहा है। उन्होंने पीछा कर ओवरटेक कर पकड़ लिया। पकड़े हुए चोर को पुलिस को सुपुर्द करते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया। पुलिस के पूछ ताछ के दौरान पकड़े गए अभियुक्त ने शुभम सिंह पुत्र पुत्र राजेश सिंह वार्ड नंबर 9 भारत भारी थाना डुमरियागंज,जनपद सिद्धार्थनगर बताया है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया किकेस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिला जज आशीष गर्ग के विदाई

समारोह में उनके कार्य को सभी ने सराहा

बृजवासियों से मिला स्नेह कभी भुलाया नहीं जा सकता- आशीष

मथुरा। मथुरा के जिला जज को हाल ही में गाजियाबाद जिले का जिला जज बनाया गया है उनके बधाई समारोह में सभी ने उनके कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर जिला जज आशीष गर्ग ने कहा कि बृजवासियों का जो स्नेह मिला है वह कभी बुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जिला न्यायालय के सभी साथी अधिकारी और कर्मचारियों ने जो सहयोग किया उसे भी वह याद रखेंगे। न्याय कर्मचारी संघ और ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट, सेल टैक्स के पूर्व अधिकारी चंद्रपाल सिंह पोनिया एडवोकेट आदि ने उनके कार्य एवं व्यवहार की सराहना की।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत तथा एक घायल

मितौली खीरी, 3 मई- मामला मितौली तहसील के अंतर्गत लखीमपुर मैगलगंज मार्ग पर कस्ता के निकट हमारा पेट्रोल पंप के समीप की है जहाँ पर दो बाइक सवारों को विगत रात अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें सिद्धार्थ उम्र 28 वर्ष जो कि भूतनाथ फाटक गोला निवासी बताये जा रहे हैं, की मौके पर ही मौत हो गयी तथा उनके साले हरीश गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ अपने चचेरे साले कानाखेड़ा निवासी सोनू जिसकी मौत हार्ट अटैक से हो गयी थी, को देखने जा रहे थे। घटना की सूचना पाकर कस्ता चौकी इंचार्ज प्रशांत श्रीवास्तव ने मौके पर पहुँच कर घायल हरीश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली भेजा तथा सिद्धार्थ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के आरईटी 2024-25 परीक्षा में गंभीर अनियमितताओं के आरोप

● शिकायत और आरटीआई आवेदन दबाने का पुरजोर प्रयास

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, मध्यप्रदेश में आयोजित शोध प्रवेश परीक्षा (आरईटी) 2024-25 को लेकर भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं।आईजीएनटीयू के पूर्व छात्र एवं छात्र प्रतिनिधि रवि त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को संबोधित एक विस्तृत पत्र भेजकर समूची प्रक्रिया की निष्पक्ष और केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। पत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन पर परीक्षा प्रक्रिया में धांधली, पारदर्शिता के उल्लंघन और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ताज्जुब की बात यह भी है कि पीएमओ से शिकायत के बाद जो नोडल अधिकारी और आरटीआई संबंधित मामले में सूचना अधिकारी नियुक्त हुए हैं वे सभी नियम संगत या कानून की भाषा भूलकर संदेही आरोपितों की ही भाषा बोल रहे हैं, ऐसे में शिकायत के जांच की निष्पक्षता और आरटीआई आवेदन के जवाब दोनो पर मनगढ़ंत कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है।

निजी ईमेल आईडी पर मंगाए गएं प्रश्न

निजी ईमेल के माध्यम से प्रश्न-पत्र मंगवाने का आरोप लगा है, आरईटी 2024-25 में समन्वयक पर आरोप लगे हैं कि परीक्षा हेतु प्रश्न-पत्र मंगाने में निजी ईमेल आईडी का प्रयोग किए गएं, जिससे प्रश्न लीक होने की संभावना बढ़ गई।

परीक्षा परिणामों में पारदर्शिता का अभाव

परीक्षार्थियों को न तो स्कोरिंग डिटेल्स दी गई, न ही उत्तर पुस्तिकाओं की जांच प्रक्रिया स्पष्ट की गई। रोल नंबर के साथ सिर्फ अंक प्रकाशित किए गए, जिससे परिणामों की विश्वसनीयता पर सवाल उठे।

इंटरव्यू प्रक्रिया में अनियमितताएं

आरईटी 2024-25 परीक्षा में भारी गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। परीक्षार्थियों को उनकी उत्तर पुस्तिकाओं और स्कोरिंग सिस्टम की जानकारी नहीं दी गई, सिर्फ रोल नंबर और अंक जारी किए गए।

अर्थशास्त्र विभाग में रोल नंबर 2401106057 को मात्र 11 अंक मिलने के बावजूद, उसे गुप्त ईमेल से इंटरव्यू बुलाकर अनारक्षित कोटे में अनंतिम सूची में शामिल कर के प्रवेश दिला दिया गया खाली ओएमआर शीट जमा करने वालों का भी चयन हुआ है। परीक्षार्थियों ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

रिचेकिंग प्रक्रिया में धांधली

रिचेकिंग के नाम पर छात्रों से शुल्क तो वसूला गया लेकिन उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का सही मूल्यांकन नहीं किया गया। औपचारिक नोटिफिकेशन के माध्यम से छात्रों को बरगलाया गया। परीक्षा से पूर्व ही प्रश्न-पत्र लीक होने की चर्चाएं थीं। परीक्षा के बाद परीक्षार्थियों को उनके प्रश्न-पत्र भी उपलब्ध नहीं कराए गएं, जिससे संदेह और गहरा गया। छात्रों ने परीक्षा की ओएमआर शीट जांच करने वाली कथित निजी फर्म की जानकारी भी मांगी गई है, लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन अभी तक सूचना उपलब्ध नहीं करा पाया है।

शिकायत और आरटीआई को दिखा रहें ठेंगा- ज्ञात हो कि उक्त मामले में बीते 1 अप्रैल को रवि त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत भेजी जिसके बाद शिक्षा मंत्रालय होते हुए दूसरे दिन 3 अप्रैल को शिकायत आईजीएनटीयू पहुंच गई जोकि प्रो. गौरी शंकर भट्टाचार्य पास जांच के लिए है। जिसमे अभी तक कार्रवाई शून्य है, शिकायत कर्ता का आरोप है कि सब आपस में मिले हुए हैं, इस लिए कार्रवाई नहीं हो पाई है, ताज्जुब की बात है कि छात्रों को अपने प्रश्नपत्र की छायाप्रति लेने के लिए आरटीआई लगानी पड़ रही है, आरईटी 2024-25 के संबंध में प्राप्त सभी आरटीआई आवेदनों को हमेशा की तरह अटका दिया गया है।

अतिरिक्त गंभीरताएं

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर बिना प्रमाणित जानकारी अपडेट करना।

महत्वपूर्ण बैठकों को गुप्त रखना, जैसे 18 मार्च 2025 की डीन मीटिंग।

पर्चेज कमेटी और अम्बेडकर चेयर से जुड़े करोड़ों के घोटाले की आशंका।

विश्वविद्यालय में गुटबाजी और विवादित प्रोफेसरों का वर्चस्व।

छात्रों की मांगें

1. आरईटी 2024-25 परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए।

2. प्रक्रिया में शामिल सभी पदाधिकारियों की निष्पक्ष और केंद्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए।

3. 2018 से अब तक विश्वविद्यालय में गठित सभी समितियों और उनके निर्णयों की सीबीआई जांच हो।

4. वर्ष 2020 से लेकर 2025 तक पर्चेज कमेटी और अम्बेडकर चेयर में हुए आर्थिक लेन-देन का सोशल ऑडिट और भौतिक निरीक्षण हो।

5. गुटबाजी और पक्षपात में शामिल विवादित प्रोफेसरों के तत्काल तबादले की कार्रवाई की जाए।

पूर्व छात्र रवि त्रिपाठी ने अपने पत्र में चेताया है कि यदि आरईटी 2024-25 जैसी कथित भ्रष्ट प्रक्रियाओं पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो इससे शिक्षा व्यवस्था में गंभीर क्षति पहुंचेगी और "मुन्ना भाई" संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। आरईटी के समन्वयक जहां-तहां सफाई देते फिर रहे हैं कि कोई धांधली नहीं हुई है, और हमने इसी संबंध मे आरटीआई से कुछ साक्ष्य मांग लिए तो देने में देरे कर रहे हैं। ऐसे मैं कैसे स्पष्ट होगा कि भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। आरटीआई का सही-सही जवाब दस्तावेज उपलब्ध करा दें सारी चीजें अपने-आप स्पष्ट हो जाएगा।

इनका कहना है- मैंने शिकायत रिसीव कर के संबंध विभाग को जवाब देने के लिए कहा है, उनकी तरफ से जवाब आ जाए फिर देखते हैं। डॉ. गौरी शंकर महापात्र (नोडल अधिकारी)

दर्पण के भाषा के शोधकर्ता डॉ उत्तम दास को गुवाहाटी में अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार 2025 और गौरव श्री सम्मान प्रदान

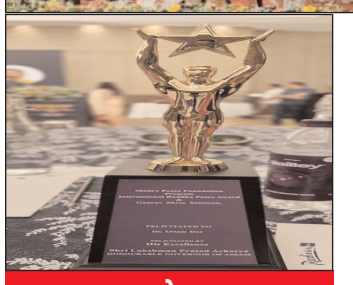

● असम के राजपाल लक्ष्मण आचार्य के करकमलों से पुरुस्कृत किया गया।

स्वतंत्र प्रभात

असम धेमाजी-3 मई। मैत्री शांति फाउंडेशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध शांति पुरस्कार 2025, ओर गौरव श्री सम्मान प्रदान अनुष्ठान में सिलापथार से जानेमाने लेखक, दर्पण की भाषा के शोधकर्ता डॉ उत्तम साद को कल गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में असम के राजपाल लक्ष्मण आचार्य के जरिए पुरुस्कृत किया गया। गौरतलब हे कि डॉ दास ने अपनी जीवन दर्पण के भाषा से लिखे गए ग्रंथो से कई सारे राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कर अपने नाम किया है। इस बार बुद्ध शांति पुरस्कार 2025 और गौरव श्री सम्मान प्राप्त कर उन्होंने गौरवान्वित महसूस के साथ इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए मैत्री शांति फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें शांति, करुणा और सद्भाव के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित करेगा।

सिद्धार्थनगर- अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुल्डोजर, पिपरा में अवैध निर्मित मदरसा ध्वस्त

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बरगदवा ग्राम पंचायत के ग्राम पिपरा में खलिहानके जमीन पर अवैध बने मदरसे पर शनिवार को प्रशासन ने बुलडोजर चलावा कर मदरसे को ध्वस्त करा दिया। शनिवार की सुबह भारी संख्या में पुलिस बल,कई बुलडोजर व प्रशासनिक अधिकारियों की वहन को गावं में बुल्डोजर की कार्रवाई की गई। तहसील शोहरतगढ़ के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बरगदवा ग्राम पंचायत के ग्राम पिपरा के ग्रामीणों ने आपसी सहमति से 38 वर्ष पूर्व में गावं के बच्चों के शिक्षा के लिए पिपरा गावं के खलिहान की भूमि पर मदरसा बना कर बच्चों को पढ़ाने का काम शुरू किया था। अभी भी मदरसा में लगभग सैंकड़ों बच्चे शिक्षा हासिल कर रहे थे। शनिवार को सुबह में तहसील प्रशासन सशस्त्र सीमा बल, पीएसी, कई थानों के पुलिस जवानों की टीम के साथ अवैध रूप से खलिहान की जमीन पर बने मदरसे को बुलडोजर की मदद से कुछ ही घण्टे में जमींदोज कर दिया।

एसडीएम शोहरतगढ़ राहुल सिंह ने बताया कि तहसील शोहरतगढ़ के ग्राम पिपरा में खलिहान की भूमि है, जिसपर इस्लामिया इस्लामदुल मुस्लमीन मदरसा के रूप में किए गये अवैध अतिक्रमण को हटवाया गया। इस अतिक्रमण को हटाने से पूर्व आदेश पारित किए गया तथा अतिक्रमण कारी को नोटिस देते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया गया था। जिसका अनुपालन न करने पर शनिवार को राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाया गया। यह मदरसा इंडो-नेपाल बॉर्डर के 10 किलोमीटर के सीमा के भीतर स्थित सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण करके बनाया गया था जिसे नियमानुसार कार्यवाही करते हुए हटाया गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में हो रही देरी से राहगीर, दुश्वारियां झेल रहे हैं- ध्रुव कुमार त्रिपाठी

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगरङ्कोइलाडांड के खस्ताहाल राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में हो रही देरी को लेकर शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि इससे आमजन को कई तरह की परेशानी हो रही है, इस पर चलने वाले लोग आए दिन हो रही दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। यह बातें शुक्रवार को शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अपने तेतरी स्थित आवास पर पत्रकार वार्ता के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि सड़क गड्ढे में है या फिर गढ्ढे में सड़क है इसका अंदाजा लगा पाना कठिन हो गया है। बिखरी गिट्टियों से यह परेशानी और बढ़ गई है। वर्तमान समय में नेशनल हाइवे से उड़ रहे धूल के गुबार से लोग बीमार हो रहे हैं। जबकि यहां से 25 किलोमीटर दूर इस सड़क से होकर गुजरने वालों से टोल टैक्स भी वसूला जाता है। यह सड़क बौद्ध परिपथ के रूप में भी जाना जाता है, बावजूद इसके जल्द पूरा किए जाने का पहल नही दिख रहा है। इस सड़क से गुजरने वाले साइकिल व दो पहिया वाहन चालकों को सर्वाधिक दिक्कत होती है। सडक़ों से भारी वाहनों के गुजरते ही धूल के गुबार से छोटे वाहन एवं दुपहिया चालक धूल से पट जा रहे हैं। छोटे वाहन सडक़ों में बने गड्ढों के कारण अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं, इससे दुर्घटनाओं का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। सुरक्षित यात्रा के लिए लोग सोहांस होकर नौगढ़ और उसका बाजार आङ्कज्ञा रहे हैं। यह नेशनल हाईवे गोरखपुर से कोइलाडाड़ तक

लगभग पांच वर्ष पहले ही बन चुका है, आगे इसे ऐसे ही छोड़ दिया गया। जबकि बलरामपुर जनपद समेत इस जिले के सैकड़ों राहगीर प्रतिदिन इन दुश्वारियों को झेलते हैं। नेशनल हाइवे का कार्य किन परिस्थितियों में अधूरा है, यह समझ से परे है। इसे जल्द बनाया जाना जनहित में होगा।

डीएम एसपी द्वारा जिला कारागार का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। जनपद के जिला कारागार का जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुसूदन हुल्गी व पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा साथ-साथ आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने बन्दियों से वार्ता कर उनको मिल रही सुविधाओं व समस्याओं की जानकारी प्राप्त की तथा जेल परिसर के अन्दर कोई भी प्रतिबन्धित सामग्री न जाने पाये के लिए निर्देश दिये गये व साफ-सफाई आदि के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया उन्होंने जिला कारागार में निरुद्ध महिला कैदियों तथा उनके साथ रह रहे उनके बच्चों से मिलकर उनके रहन-सहन खान-पान सहित समस्त प्रकार की प्राप्त होने वाली सुविधाओं व समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की।

बे- मौसमी बरसात- मथुरा में जल मग्न अनाज मंडी, बेहाल किसान और व्यापारी

● मंडी में सैकड़ो करोड़ों रुपए की आय सुविधाएं जीरो हैं।

स्वतंत्र प्रभात

मंडी समिति में जल भराव

मथुरा- शनिवार मथुरा मंडी समिति की अनाज मंडी में हल्की बरसात भी जलभराव का कारण बन जाती है जिससे किसानों और व्यापारियों का हर वर्ष हजारो कुंटल अनाज खराब हो जाता है। गौरतलब है कि मथुरा अनाज मंडी में शुक्रवार की तड़के सुबह आंधी और बरसात में पूरी अनाज मंडी को जल मग्न कर दिया सरकारी गेहूं खरीद केंद्र पर खुले में रखें सैकड़ो कुंतल गेहूं खराब हो गया जिला प्रशासन ने आंधी और बरसात की चेतावनी पहले ही जारी कर दी थी यह मंडी समिति की बड़ी लापरवाही सामने आई है मंडी में बड़े-बड़े चबूतरो पर टीन सेढ मौजूद है सैकड़ो करोड रुपए की आय भी होती है लेकिन जलभराव और अन्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

बरसात के मौसम में कई दिनों तक अनाज मंडी बंद हो जाती है और व्यापारियों के गोदाम में भी पानी भर जाता है जिससे भारी नुकसान उठाना पड़ता है सब्जी मंडी भी जल मग्न होने से नहीं बच पाती है। मंडी के आढतिया महेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अनाज मंडी में जल भराव को लेकर हमने दर्जनों बार शिकायत सचिव डीडीए और नगर मजिस्ट्रेट को दी हैं लेकिन कोई हल नहीं निकल पाया अनाज मंडी का हर वर्ष लगभग हजारों करोड रुपए का टर्नओवर है लेकिन व्यापारियों के हित के लिए कोई भौतिक सुविधा सुचारू रूप से चल नहीं रही है आढतिया ओमी उर्फ ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि हमारा हर वर्ष सैकड़ो कुंटल अनाज खराब हो जाता है लेकिन इस जल भराव कोई हल नहीं है।

समाधान दिवस- सदर तहसील में 93 शिकायतें दर्ज, पांच शिकायतें निस्तारित-जिलाधिकारी

● समाधान दिवस में छाता में 38, मांट में 36, गोवर्धन में 8, महावन में 39 शिकायतें हुईं दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

चंद्र प्रकाश सिंह जिला अधिकारी की अध्यक्षता में सदर तहसील का समाधान दिवस में शिकायत सुनीं

मथुरा- शनिवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर में सुनी समस्याएं। जिलाधिकारी ने जनता की शिकायतों को ध्यान पूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता से निस्तारण के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए के जनता के प्रति पुलिस का बड़ा ही सरल व मृदुल व्यवहार होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता ही सर्वोपरि होती है, जनता की समस्याओं को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी पहली प्राथमिकता है।

उप जिलाधिकारी सदर निशा ग्रेवाल ने अवगत कराया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आज सदर तहसील में कुल 93 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 05 शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया। बाकी शिकायतें संबंधित विभागों को अग्रसारित कर दी गई है। सदर तहसील में मौके पर डीएफओ रजनीकांत मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अजय कुमार वर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर भूषण वर्मा, सहायक नगर आयुक्त कल्पना, तहसीलदार सदर सौरभ यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इसी क्रम में उप जिलाधिकारी छाता श्वेता ने जानकारी देते बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में आज छाता तहसील के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 38 शिकायतें प्राप्त हुई। उप जिलाधिकारी मांट/ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे जैन ने अवगत कराया कि तहसील मांट में 36 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 2 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी गोवर्धन श्रीमती नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि गोवर्धन तहसील में 8 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 2 का मौके पर निस्तारण किया गया तथा उप जिलाधिकारी महावन आदेश कुमार ने बताया कि तहसील महावन में 39 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 6 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

स्थानीय क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के जरिये पहलगाम आतंकी हमले का किया विरोध

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। गोला नगर के सदर चौराहा स्थित कोतवाली गोला के पास बने वाटर पार्क में क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल गोला के छोटे छोटे छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक आयोजन कर आतंकी हमले का विरोध कर सभी को भावुक कर दिया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने पहलगांव की बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले का विरोध किया। छात्र-छात्राओं ने 'बंद करो-बंद करो, आतंकी हमले बंद करो' और 'खून की होली बंद करो' के नारे लगाते हुए सड़कों पर उतरे। उन्होंने 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता' जैसी तख्तियां और बैनर भी लिए थे। नाटक में आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। एक भावुक दृश्य में दिखाया गया कि कैसे लोग अपनों के शवों को उठाते हैं,और उनके अपनों को खोने व मौत का भयावह दृश्य बैठकर विलाप करते हुए महिलाओं-बच्चों को दिखाकर सभी दर्शकों को झकझोर दिया ।क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक केशव अग्रवाल ने बताया बच्चों में जागरूकता और बच्चों द्वारा समाज में जागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम किया गया है। बच्चे टीवी देखते हैं सीरियल देखते हैं रोज आए दिन आतंकवादी हमले हो रहे हैं। इसलिए यह कार्यक्रम खुद बच्चों ने बनाया है और प्रस्तुत किया है। हम भी आतंकवाद के खिलाफ हैं, हम सब साथ हैं,आतंकवाद का विरोध होना चाहिए।

क्रास रोड इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्य अंकित शर्मा ने कहा हमने एक छोटी सी कोशिश की है आतंकवादियों के खिलाफ एक होकर खड़े हो जाए और कोई जातिवाद अपने दिलों में ना लें हम सब एक हो जाए। हम आतंकवादियों के खिलाफ लड़ सकते हैं। और मुहतोड़ जबाब दे सकते हैं। हमने नाटक के माध्यम से छोटी सी कोशिश कर लोगों को जागरूक करने की कोशिश की है। इस कार्यक्रम में कोतवाली गोला पुलिस ने सम्मलित होकर छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का समापन "वंदे मातरम" और "भारत माता की जय" के नारों के साथ हुआ। इस प्रदर्शन के मध्यम से छात्र छात्राओं ने मानवता और एकता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम को देख जहां दर्शक भावुक हुए वहीं दूसरी ओर आतंकवाद के खिलाफ लोगों का खून खौल उठा, लोगों ने जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की।

जदयू0 कोर कमिटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

स्वतंत्र प्रभात

गोपालगंज (बिहार)- जनता दल यूनाइटेड सिवान की कोर कमिटी की बैठक महादेवा स्थित सांसद के आवास पर जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह की अध्यक्षता में की गई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जिसमे जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह ने बताया कि आज पार्टी के कोर कमिटी की बैठक किया जा रहा जिसमे पार्टी द्वारा आगे की रणनीति तय किया जा रहा है इस विधानसभा चुनाव में हमारे नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव होना है इसलिए हमारी जिम्मेवारी अधिक हो जाती है हमे अब पार्टी को मजबूत करने के लिए आगे अब लगातार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसकी रूप रेखा भी जल्द बना लिया जाएगा अब लगातार इस कर कमिटी की बैठक होती रहेगी हम सभी स्तर की समीक्षा कर आगे की तैयारी करेंगे हमारे नेता ने महिलाओं अति पिछड़ा अनुसूचित जनजाति सहित सबके हित में जो कार्य किया है उसकी चर्चा पंचायत तक करेंगे हमें इतना सजग रहना है कि किसी परिस्थिति से निपटने के लिए मजबूत रहना है सांसद विजयलक्ष्मी देवी ने पार्टी और अपने नेता के लिए हमेशा मजबूती से साथ देने का भरोसा दिलाया जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल ने महीना के तीसो दिन पार्टी के लिए सिवान रहने की बात कही बैठक में सांसद विजयलक्ष्मी देवी, जिलाध्यक्ष चन्द्रकेतु सिंह, जिला संगठन प्रभारी प्रमोद कुमार पटेल, पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा, हेमनारायण साह, संगीता यादव, पार्टी के वरिष्ठ नेता विकास कुमार सिंह उर्फ जीशू सिंह पूर्व प्रत्याशी अजय कुमार सिंह, बबलू चौहान, राजेश्वर चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रदेव सिंह पटेल, उमेश ठाकुर, मुर्तुजा अली कैसर, टुनटुन प्रसाद, राज्य परिषद सदस्य निकेश चंद्र तिवारी, नन्दलाल राम, प्रमोद प्रियदर्शी, नागेंद्र पटेल, जिला प्रवक्ता सुनील कुमार, प्रिंस सिंह आदि मौजूद रहे।